सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

सीएम योगी का आज दो दिवसीय दौरा

कानपुर, गुरुवार, 17 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 192, पृष्ठः 8+4

इनसाइड चकेरी में युवती से सरेराह छेड़छाड़, सीसीटीवी में कैद... » Pg 03

» Pg 12

स्वच्छ यूपी के 5 शहरों को पुरस्कार

लखनऊ की ऊंची छलांग

वाटर प्लस में कानपुर पहले नंबर पर, 44वें से तीसरे स्थान पर लखनऊ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रदेश के पांच शहरों-लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, आगरा और गौतमबुद्ध नगर को स्थान मिला है। लखनऊ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 44वें स्थान से तीसरे स्थान पर जगह बनाई है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने साफ सुथरे शहरों में ऊंची छलांग लगाते हुए देश के सर्वश्रेष्ठ तीन शहरों में स्थान प्राप्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में इन शहरों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। लखनऊ की महापौर, तत्कालीन नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह व प्रमुख सचिव नगर विकास ने नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा के साथ पुरस्कार प्राप्त किया।

केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन की मिशन निदेशक और संयुक्त सचिव रूपा मिश्रा ने इस संबंध में नगर विकास विभाग को पत्र भेज था। इस पत्र के अनुसार सर्वश्रेष्ठ तीन शहरों में स्थान प्राप्त करने पर लखनऊ को राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। विशेष श्रेणी में प्रयागराज और गोरखपुर को पुरस्कार दिया गया। प्रयागराज में इस वर्ष महाकुंभ का आयोजन हुआ था, इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने पर बेहतर सफाई व्यवस्था की गई। इसकी देश ही नहीं, दुनिया में भी सराहना हुई। इसी कारण प्रयागराज को विशेष श्रेणी का पुरस्कार दिया गया।

मुख्यमंत्री की कर्मस्थली गोरखपुर को भी इस बार स्वच्छ शहरों की श्रेणी के मिनिस्टीरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया। आगरा को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गौतमबुद्ध नगर को तीन से 10 लाख की आबादी की श्रेणी में सबसे साफ सुथरे शहर के रूप में स्थान देते हुए सम्मानित किया गया।

लगातार आठवीं बार मारी बाजी

स्वच्छता में इंदौर फिर नंबर-1

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इंदौर ने इतिहास रचते हुए लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीता है। सुपर स्वच्छ लीग में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर इंदौर नगर निगम को सम्मानित किया गया। पिछले साल इंदौर नगर निगम की 80 सदस्यीय टीम पुरस्कार समारोह में पहुंची थी, लेकिन इस बार टीम सिर्फ 18 सदस्यों की है।

वहीं, स्वच्छ सर्वेक्षण में अहमदाबाद को देश का सबसे स्वच्छ शहर पाया गया। भोपाल भी पिछले वर्ष के पांचवें स्थान से दूसरे स्थान पर आया है। पुरस्कार को लेने के लिए उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा और प्रमुख सचिव अमृत अभिजात के साथ संबंधित शहरों के मेयर व नगर आयुक्त जाएंगे।

संवेदनहीनता

हाथ-पैर बंधे हुए थे, शीशा तोड़कर निकाला, एंबुलेंस से भेजा अस्पताल

बुजुर्ग को कार में छोड़कर ताजमहल देखने गए पर्यटक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। आगरा में गुरुवार को ताजमहल के पास झकझोर देने वाला मामला सामने आया। ताजमहल देखने आए पर्यटक कार में बुजुर्ग को अकेला छोड़ गए। बुजुर्ग के हाथ-पैर बंधे हुए थे। बुजुर्ग बेहाल हो गए।

आगरा में महाराष्ट्र से ताजमहल देखने आए पर्यटक बुजुर्ग को कार में बंद कर ताज देखने चले गए। बुजुर्ग के गमछे से हाथ-पैर बंधे हुए थे। वो बोल नहीं पा रहे थे। पश्चिमी गेट पार्किंग में गाइड और

» उमस और धूप से कार के अंदर हो गई थी गर्मी, बुजुर्ग बेहाल

» महाराष्ट्र शासन का स्टिकर भी लगा है कार में

कर्मचारियों ने कार का शीशा तोड़कर दरवाजा खोला। बुजुर्ग को बाहर निकाल कर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। पुलिस कार स्वामी की तलाश कर रही है।

उमस और धूप से कार के अंदर गर्मी हो गई। इसके चलते बुजुर्ग बेहाल हो गए। गाइड ने जैसे ही कार में बुजुर्ग को देखा तो पार्किंग कर्मचारियों को बुलाया। कार महाराष्ट्र नंबर की है। महाराष्ट्र शासन का स्टिकर भी लगा है। कार की छत पर सामान बंधा हुआ है। लोगों ने संभावना जताते हुए कहा कि महाराष्ट्र का परिवार कार से घूमने निकला है। बुजुर्ग चलने-फिरने की स्थिति में नहीं हैं, इसीलिए उन्हें कार में ही बंदकर ताजमहल घूमने चले गए। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। परिवार की तलाश में जुट गई।

स्वराज इंडिया की खबर का बड़ा असर

टाटा पिकअप पकड़ाया, टेशू फरार

शिवराजपुर पुलिस की घेराबंदी में धरा गया अवैध डीजल लदा वाहन

» 26 मुकदमों वाला देशराज उर्फ़ टेशू भाग निकला, पुलिस को चकमा देकर हुआ फरार

» वाहन सीज़, आपूर्ति विभाग को भेजी गई रिपोर्ट, जल्द दर्ज होगा मुकदमा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वराज इंडिया द्वारा डीजल चोरी पर की गई सनसनीखेज स्टिंग ऑपरेशन और रिपोर्टिंग के 24 घंटे के भीतर ही इसका बड़ा असर देखने को मिला है। बीते दिन शिवराजपुर कस्बे से गुजर रही वही संदिग्ध टाटा पिकअप गाड़ी जो पहले भी चोरी में संलिप्त बताई गई थी पुलिस को दिखी। शक के आधार पर जब पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, तो ड्राइवर ने गाड़ी तेज़ भगाई। सक्रियता दिखाते हुए शिवराजपुर पुलिस ने आगे से घेराबंदी कर वाहन को पकड़ लिया।

गाड़ी में मौजूद युवक की पहचान अमर सिंह, निवासी बेड़ी अलियापुर, थाना बिल्हौर के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि गाड़ी में मौजूद दूसरा व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि डीजल गिरोह का सरगना देशराज उर्फ़ टेशू था, जो मौके से भागने में कामयाब हो गया। आरोपी अमर सिंह को हिरासत में लिया गया है और वाहन को थाने में खड़ा कर दिया गया है।

जांच के घेरे में डीजल तस्करी नेटवर्क, जल्द होगी कड़ी कार्रवाई

पुलिस ने इस अवैध डीजल तस्करी के मामले को जिला आपूर्ति विभाग को भेज दिया है, जहाँ से कानूनी जांच और उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर टेशू की गिरफ्तारी की तैयारी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अब टेशू और उसके नेटवर्क की गिरफ्तारी को लेकर कई अन्य थानों में दबिश दी जा रही है।

पुलिस का दावा है कि जल्द ही देशराज उर्फ़ टेशू को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम से एक बार फिर यह साबित हो गया है कि यदि मीडिया अपनी ज़िम्मेदारी निभाए, तो प्रशासन को भी कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ता है। स्वराज इंडिया की रिपोर्ट से न सिर्फ गिरोह की परतें खुलीं, बल्कि तस्करों की कमर तोड़ने की दिशा में पुलिस ने पहला ठोस कदम भी उठाया।

देशराज उर्फ टेशू मौके से हुआ फरार

100 कारोबारियों पर 41 लाख का जुर्माना

» घी-आइसक्रीम-दूध में मिलावट की पुष्टि

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर में मिलावटखोरी के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एडीएम सिटी कोर्ट ने 100 कारोबारियों को मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने का दोषी मानते हुए कुल 41 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से लिए गए फेल सैंपलों के आधार पर की गई है।

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जून माह में दाखिल किए गए 100 मुकदमों की सुनवाई के बाद यह सख्त निर्णय लिया गया। जिन कारोबारियों के उत्पाद मानक पर खरे नहीं उतरे, उनके खिलाफ जुर्माना लगाया गया है।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर उपभोक्ताओं की सेहत से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

कौन-कौन आया जांच के घेरे में?

जेड स्क्वायर के आउटलेट से लिए गए ज्ञान ब्रांड के देशी घी को सब-स्टैंडर्ड पाया गया। इस पर 80,000 का जुर्माना लगा।स्वरूप नगर स्थित हैवमोर की वनीला आइसक्रीम भी गुणवत्ता में कमजोर पाई गई, जिस पर 90,000 का जुर्माना लगाया गया।राजीव नगर स्थित मेसर्स जीएस न्यूट्रिटिव की आइसक्रीम के दो सैंपल फेल पाए गए। इस पर 1.55 लाख का भारी जुर्माना लगाया गया।

उपभोक्ताओं से अपील

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी खाद्य सामग्री में शक होता है तो तुरंत खाद्य विभाग को सूचना दें। शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर जांच कराई जाएगी।

इस कार्रवाई से साफ है कि खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह सख्त रुख अपनाए हुए है।

कानपुर: चकेरी में युवती से सरेराह छेड़छाड़, सीसीटीवी में कैद हुई हरकत

» वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि चलते रास्ते पर जा रही युवती के साथ युवक ने अश्लील हरकतें कीं और उसे छूकर मौके से फरार हो गया

» अब जनता की मांग है कि सख्त कार्रवाई हो

» आरोपी की तुरंत पहचान कर गिरफ्तारी

» फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला चलाकर सख्त सजा

» क्षेत्र में महिला सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र में मनचलों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब सरेआम छेड़छाड़ भी बेधड़क करने लगे हैं, वो भी बीच सड़क पर! ताजा मामला उस वक्त सामने आया जब एक युवक ने चलते रास्ते पर जा रही युवती के साथ अश्लील हरकतें कीं और उसे छूकर मौके से फरार हो गया।

यह पूरी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में साफ कैद हो गई है, लेकिन पुलिस की कार्रवाई फिलहाल कागजों तक सीमित नजर आ रही है।

घटना के फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि युवती सड़क से गुजर रही थी तभी पीछे से आए एक युवक ने अचानक उसे छेड़ा और अश्लील हरकत कर फरार हो गया।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ऐसे भागा जैसे कुछ हुआ ही न हो, लेकिन सीसी टीवी कैमरे ने उसकी हरकत की पोल खोल दी।

इलाके में दहशत, पुलिस पर उठे सवाल

घटना के बाद क्षेत्र में गहरी नाराजगी और डर का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चकेरी थाना क्षेत्र में महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं, लेकिन पुलिस महज मामले की जांच की जा रही है कहकर दायित्व से बच रही है।

इस घटना ने पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी है। कब तक बहनों-बेटियों की अस्मिता यूं ही सरेआम लूटी जाएगी? यह सिर्फ एक घटना नहीं, व्यवस्था पर करारा तमाचा है। अगर सीसी टीवी में चेहरा कैद होने के बावजूद भी आरोपी खुलेआम घूम रहा है तो पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठना लाज़मी है। क्या चकेरी की ये घटना प्रशासन को जगाने के लिए काफी नहीं? या फिर अगली किसी बेटी की चीखें सुनकर पुलिस जागेगी?

रेलवे पुलिस की फुर्ती से सुलझा अपहरण का रहस्य

» फिरौती मांगने वाला निकला खुद बालक

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल की तत्परता और टीमवर्क के चलते एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा और अपहृत बच्चों की बरामदगी के लिए चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत जीआरपी टीम ने दिल्ली से अपहृत एक 14 वर्षीय बालक को मात्र ढाई घंटे में सकुशल बरामद कर लिया।

यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी के दिशा-निर्देशन, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज प्रशांत वर्मा की सतत मॉनिटरिंग और पुलिस उपाधीक्षक कानपुर दुष्यंत कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया गया और दिल्ली से प्राप्त लोकेशन व तकनीकी जानकारियों के आधार पर रात्रि 11:45 बजे से सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया।

दिल्ली के थाना करावल नगर में दर्ज अपहरण और फिरौती मांगने के मामले (मु0अ0सं0 226/2025 धारा 140(2) बीएनएस) के तहत, अपहृत बालक की तलाश में जीआरपी टीम ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म, सर्कुलेटिंग एरिया और प्रतीक्षालयों में गहन चेकिंग शुरू की। इसी क्रम में रात करीब 2:10 बजे प्लेटफार्म 1/10 के दिल्ली साइड पर बालक एक संदिग्ध बुजुर्ग महिला के साथ मिला। उन्हें जीआरपी महिला हेल्प डेस्क पर लाया गया।

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बालक ने खुद ही अपहरण की योजना बनाई थी।

वह स्कूल में दोस्तों द्वारा परेशान किए जाने से त्रस्त होकर अपनी दादी (हमीरपुर निवासी) के पास जाने के लिए निकला था। जो फोन फिरौती मांगने के लिए प्रयोग हुआ, वह भी बालक के पास से बरामद हुआ। बुजुर्ग महिला से भी दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की और उसके बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर रवाना किया गया।बालक को नियमानुसार थाना करावल नगर, उत्तर पूर्वी दिल्ली की पुलिस टीम (उपनिरीक्षक अभिमन्यु तोमर, उपनिरीक्षक हर्ष वर्धन, हेड कांस्टेबल रविंद्र यादव) के सुपुर्द कर दिया गया।इस पूरे घटनाक्रम में जीआरपी कानपुर की सूझबूझ, तत्परता और बेहतर समन्वय के चलते एक बड़ी अनहोनी टल गई। ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत यह एक उल्लेखनीय सफलता है।

तालाब बना स्कूल

बच्चों की पढ़ाई बनी चुनौती

उत्तमपुर प्राथमिक विद्यालय बारिश में लबालब भरा मिला, प्रशासन बेपरवाह

बारिश से उत्तमपुर प्राइमरी स्कूल तालाब में तब्दील हो गया। अध्यापकों और बच्चों का कक्षा तक पहुंच पाना मुश्किल हो रहा।

स्कूल में बाउंड्री वॉल तक नहीं, खेत का गंदा पानी बहकर आता है परिसर में

हर बारिश में डूबता है स्कूल, जिम्मेदार आश्वासन देकर भूल जाते हैं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। पढ़ेगा इंडिया तभी तो बढ़ेगा इंडिया... यह नारा सुनने में जितना अच्छा लगता है, जमीन पर हालात उतने ही शर्मनाक हैं। ककवन ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय उत्तमपुर का हाल यह है कि बारिश के बाद स्कूल परिसर तालाब बन गया। गुरुवार सुबह जब शिक्षक और छात्र स्कूल पहुँचे, तो परिसर में भरे गंदे पानी से होकर उन्हें अपनी कक्षा तक पहुंचना पड़ा। कीचड़, कूड़ा और खेतों की गंदगी पानी में तैरती रही, पढ़ाई ठप होते बची। शिक्षामित्रों और शिक्षकों ने वाइपर से पानी हटाने की कोशिश की, तब जाकर किसी तरह क्लास शुरू हो सकी।दो साल पहले बाउंड्रीवाल की योजना बनी थी लेकिन अब तक बाउंड्री नहीं बन पाई। शिक्षकों ने बताया कि स्कूल की बाउंड्री वॉल की नीलामी दो साल पहले हो चुकी थी, लेकिन आज तक निर्माण नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि आसपास के खेतों का सारा गंदा पानी स्कूल में भर जाता है। पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है और न नाला है और न ही कोई नाली।

» **बच्चे-शिक्षक पानी में मंझाकर पहुंचे क्लास रूम**

» **बाउंड्रीवॉल न होने से आसपास का गंदगी भी स्कूल में भर जाती**

खंड शिक्षा अधिकारी का दावा
एक सप्ताह में कार्य शुरू

इस मामले में जब ककवन के खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अधिकारियों से बात हुई है। एक सप्ताह के अंदर बाउंड्री निमाज़ण ग्राम पंचायत के माध्यम से करा दिया जाएगा।

सिर्फ उत्तमपुर नहीं
पूरी तहसील बेहाल!

उत्तमपुर का विद्यालय तो महज एक उदाहरण है। तहसील के दर्जनों सरकारी स्कूलों की यही हालत है। कहीं छत टपक रही है, तो कहीं बच्चे कीचड़ में बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। सुधार के दावों की हकीकत इसी पानी में बहती नजर आ रही है।

दो साल से स्कूल की टूटी पड़ी बाउंड्री।

पुलिस सक्रिय

गौरी गांव के अंडरपास से दो लग्ज़री कारों में पकड़े गए आठ आरोपी

साइबर ठगों के गिरोह का पर्दाफाश

» स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। सघन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गौरी अंडरपास के पास ग्रीन पैलेस की ओर जाने वाली कुटरा सड़क पर खड़ी दो संदिग्ध कारों को घेरा। इन गाड़ियों में बैठे आठ युवक किसी बड़ी साइबर ठगी की तैयारी में थे। जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। यह एक संगठित गिरोह है, जो ग्रामीणों को कमीशन व मोटी कमाई का झांसा देकर उनसे चालू खाते खुलवाता है और फिर उनके नाम से साइबर फ्रॉड करता है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर, सिम और एटीएम कार्ड कब्जे में लेकर वे इंटरनेट के ज़रिए ठगी का पैसा मंगवाते और फिर आपस में बांट लेते। इनके निशाने पर हमेशा भोले-भाले ग्रामीण ही रहते थे, जिन्हें बैंकिंग की ज्यादा समझ नहीं होती। मौके से पुलिस ने 12 मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, चार चेक बुक, तीन पास बुक, दो स्मार्टवॉच, दो पर्स, 10 एटीएम कार्ड, दो मेट्रो कार्ड, एक डीएसएलआर कैमरा, दो आधार कार्ड, दो पैन कार्ड के अलावा 4050 रुपए नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा दो कारें भी बरामद की गईं। हुंडई ऑरा (यूपी32यूएन5806) और स्कार्पियो (यूपी75एडब्ल्यू4557), जो ठगी में इस्तेमाल की जा रही थीं।

मुखबिर की सूचना पर बिल्हौर पुलिस ने ठग गिरोह को धर-दबोचा।

» **गिरोह भोले-भाले ग्रामीण को बनाते थे अपना शिकार**

» **कमीशन का लालच देकर खुलवाते थे बैंक खाते**

ये आरोपी जेल भेजे गए

पुलिस ने पंकज 21 वर्ष थाना सिविल लाइन इटावा, शिवम कुमार 29 वर्ष थाना सिविल लाइन इटावा, अलीशान 20 वर्ष तेलीबाग थाना पीजीआई लखनऊ, इमरान 20 वर्ष छोटी लाल कुर्ती थाना सदर कैंट लखनऊ, मानस अवस्थी 26 वर्ष रायबरेली रोड थाना मोहनलालगंज लखनऊ, विजय शर्मा 22वर्ष थाना तालबेहट ललितपुर, अभिषेक 25 वर्ष थाना तालबेहट ललितपुर, वीरेंद्र सिंह तोमर 20 वर्ष थाना तालबेहट ललितपुर, पुलिस ने इन आठों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि सभी के आपराधिक इतिहास को खंगालने के लिए अन्य थानों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सम्पादकीय

संयमित न हुई अभिव्यक्ति तो अंकुश

विभिन्न देशों द्वारा आतंकवादियों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष व परोक्ष मदद पर नजर रखने वाली वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था यानी एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह सनसनीखेज बात उजागर हुई है कि आतंकवादी वित्तीय संसाधन जुटाने व खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में विस्फोटक पदार्थ का एक भाग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदा गया था। निश्चित रूप से जिस तेजी से आतंक का नेटवर्क ऑनलाइन बाजार का फायदा उठा रहा है, वह कानून की नियामक एजेंसियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। बताया जा रहा है कि आतंकवादी इंटरनेट के जरिये विस्फोटक बनाने की तरकीब भी सीख रहे हैं। इंटरनेट से बम बनाने की तकनीक सीखने की खबरों के बीच हमारे नीति-नियंताओं को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवादियों के लिए मददगार सामान पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इससे पहले एफएटीएफ ने संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवादियों को न केवल पैसा व हथियार दे रहे हैं बल्कि उन्हें ट्रेनिंग देने में भी मदद की जा रही है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिये आतंकवादी ऑनलाइन सेवाओं के जरिये हथियार, रसायन और थ्री डी-प्रिंटिंग सामग्री भी खरीद रहे हैं। यह विडंबना ही है कि आम नागरिकों के जीवन को सरल-सुविधाजनक बनाने के लिये जिन ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत हुई थी, वह अब आतंकवादियों की मदद का साधन बन गई है। विश्व के आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक के जरिये न केवल अपने मंसूबों को पूरा कर रहे हैं बल्कि पुलिस व कानून से बचने में इंटरनेट उनका मददगार बन गया है। जिसमें आतंक की पाठशाला चलाने वाली सरकारें भी सहायक बनी हैं।विगत के कुछ वर्षों में हुए कुछ बड़े हमलों की जांच में प्रमाणिक रूप से इस बात का खुलासा हुआ है कि अब आतंकी हमलों के लिये खतरनाक ढंग से ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किया गया है। यह विडंबना ही है कि अपराधी व आतंकवादी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपराध नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियानों को धता बताकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने लगे हैं। जिन ऑनलाइन सेवाओं से उपभोक्ताओं की सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा था, उस व्यवस्था के छिद्रों से अपराधियों ने अपनी सुगम राह तलाश ली है। जिस पर सख्त निगाह रखना सरकारों का प्राथमिक दायित्व बनता है। यदि समय रहते इस दिशा में सख्त कदम न उठाये गए तो यह व्यवस्था आतंकवादियों के खतरनाक अभियानों के लिये सुरक्षित रास्ता बन जाएगा।इस बात का उल्लेख प्रधानमंत्री ने हालिया विदेश यात्रा के दौरान कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों से किया। लेकिन पाकिस्तान जैसे कई देश आतंकवाद के विरुद्ध जारी मुहिम को कमजोर करने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि पाक खुद को आतंकवाद से पीड़ित दर्शाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है। यही वजह है कि गत माह वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ ने स्पष्ट किया था कि पहलगाम हमला संस्थागत बगैर वित्तीय मदद के संभव नहीं हो सकता था। निश्चित रूप से एफएटीएफ के इस खुलासे से पाकिस्तान दुनिया के सामने एक बार फिर बेनकाब हुआ है।

अंतरिक्ष में अनुसंधान से मानवता हेतु नई उम्मीदें

सुरेश सेठ

इस अंतरिक्ष अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके दौरान होने वाले परीक्षणों से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और कैंसर। यदि सफलता मिलती है तो यह मानवता पर उपकार होगा।सुखद है कि 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने न केवल अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में कदम रखा बल्कि डॉकिंग की नई उपलब्धि के साथ उसने वहां स्थित अंतरिक्ष स्टेशन में भी प्रवेश कर लिया। वे पहले भारतीय थे जिन्होंने न केवल 14 दिन के लिये इस स्टेशन में कदम रख लिया बल्कि दुनिया को भारत की ओर से वसुधैव कुटुम्बकम? का एक संदेश भी मिला।

शुभांशु 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीद ही नहीं, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, बल्कि वे एक नई दुनिया और एक नया भारत बनाने के लिए कुछ विशेष शोध अभियान पर भी हैं। बेशक यह सपना निजी निवेशकों की भागीदारी के साथ देखा जा रहा है और उत्सुक साहसी पर्यटक इस सपने के पूरा होने की उम्मीद कर रहे हैं।अब सोचा जा रहा है कि वैज्ञानिक उपलब्धियों के इस निर्देश के साथ पर्यटन का एक नया क्षेत्र अंतरिक्ष में भी खोल दिया जाए। यह वैश्विक कमाई का एक बड़ा साधन बनेगा और क्योंकि भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण में तो सफलता हासिल कर ही चुका है और तीसरी दुनिया के छोटे देशों के लिए संचार उपग्रह प्रक्षेपण कर रहा है। इसलिए अब वह अंतरिक्ष पर्यटन का मार्ग निर्देशक बन सकेगा। इस प्रकार अपने लिए कमाई का एक और उपयोगी मैदान खोल लेगा जहां निवेशकों को इस साहसिक अभियान को शुरू करने की हिम्मत के कारण अधिक प्रतिदान मिल सकेगा।

लेकिन इससे भी अधिक इस अंतरिक्ष स्टेशन में हमारे यात्रियों के प्रवेश के बाद जिन उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है उसमें से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और कैंसर। इस शोध का एक लक्ष्य पृथ्वी पर मधुमेह के नियंत्रण में मदद करना है। दूसरी तेजी से फैलती बीमारी है कैंसर। अभी इस कैंसर का उपचार बहुत खर्चीला है। यह शुभ सूचना है कि शुभांशु शुक्ला और उनके साथी शिन पर रवाना होने के बाद 14 दिनों तक इन बीमारियों के चिकित्सा प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। अंतरिक्ष यात्रियों में से एक अंतरिक्ष में अपने पूरे प्रवास के दौरान निरंतर ग्लूकोज मीटर पहने रहेगा और वास्तविक समय के रक्त शर्करा माप की निगरानी पृथ्वी पर अनुसंधान करके की जाएगी। उड़ान के दौरान इसके नमूने इकट्ठे होंगे और सही उपचार के परीक्षण किए जाएंगे। जो सफल होगा, उसी से अब अंतरिक्ष के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से रोगों का इलाज होगा।अंतरिक्ष उड़ानों से जोड़ों और रक्त प्रवाह पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच होगी। आसान शब्दों में कहें तो इसका अर्थ यह कि आर्थराइटिस या जोड़ों की बीमारियों का क्या कोई हल अंतरिक्ष का यह शोध हमें दे सकता है? कैंसर का अध्ययन भी यहां विशेष रूप से किया जा सकता है। समझा जाता है कि कैंसर की कोशिकाएं सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में आसानी से पुनर्जीवित हो सकती हैं। अगर ऐसा है तो ये स्टैम कोशिकाएं और इनका पुनर्जीवन आदमी की उम्र बढ़ाने को कैसे प्रभावित कर सकता है, इसका अध्ययन भी होगा। यह अध्ययन स्टैनफोर्ड स्टैम सैल इस्टीट्यूट और जेएम फाउंडेशन की मदद से किए जाएंगे।निस्संदेह, अगर इस अभियान में इस प्रकार कैंसर निदान की कोई बेहतर दवा या उपचार विकसित करने में सफलता मिल जाती है तो यह मानवता के लिये अच्छी खबर होगी। फिर 14 दिन तक हमारे ये सभी यात्री कम्प्यूटर स्क्रीन का ही निरंतर प्रयोग करेंगे। इससे यह भी पता चल जाएगा कि इसका शारीरिक और हमारी संज्ञा पर क्या प्रभाव पड़ता है। आमतौर पर कहा जाता है कि कम्प्यूटर के निरंतर इस्तेमाल से तेजी से आंखों की हरकतें प्रभावित होती है।

आत्मनिर्भरता और सामूहिक समृद्धि का अभियान

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस

डा0 बलकार सिंह

सहकारिता आधुनिक भारत में केवल एक संगठनात्मक ढांचा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था की प्रेरक शक्ति बन चुकी है, जो 'मैं' नहीं 'हम' के भाव से राष्ट्र को समृद्धि की ओर ले जा रही है।आधुनिक भारत में सहकारिता अब केवल एक संगठनात्मक ढांचा नहीं रही, बल्कि यह आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और ग्राम आधारित आर्थिक शक्ति का वाहक बन चुकी है। हर वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि उस चेतना का उत्सव है जिसमें 'मैं' नहीं बल्कि 'हम' का भाव निहित है। यह वह चेतना है जो व्यक्ति की शक्ति को सामूहिक प्रयास में बदल देती है और समाज को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करती है।

भारत में सहकारिता का विचार केवल आधुनिक विकास का उपकरण नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक परंपरा भी है, जिसकी जड़ें हमारे वेदों, पुराणों और ग्राम्य जीवन के नैतिक तंतुओं में गहराई तक फैली हुई हैं। आज, यही भावना आधुनिक सहकारी आंदोलन के रूप में देश के विकास और समृद्धि की आधारशिला बन चुकी है।वर्ष 2025 के संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का थीम है 'सहकारिताएं एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं'। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे सहकारी मॉडल कई वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एक आवश्यक समाधान है और 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को लागू करने के प्रयासों को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखता है। इसका प्रमाण हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक सहकारी सम्मेलन में देखने को मिला, जहां 100 से अधिक देशों के लगभग 3,000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।वर्तमान समय में सहकारिता विविध क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। इसमें डेयरी, मत्स्य पालन, जैविक उत्पाद, बीज उत्पादन, खाद्यान्न भंडारण, ग्रामीण बैंकिंग और अब टैक्सी सेवा जैसी शहरी-ग्रामीण परिवहन सुविधाएं भी सम्मिलित हैं। वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना इसी दूरदर्शिता का परिणाम है।भारत में सहकारिता की नींव 1904 में पड़ी, जब औपनिवेशिक शासन ने सहकारी ऋण समितियों का अधिनियम लागू किया। आजादी के बाद सहकारिता ने एक जनांदोलन का रूप लिया। आज देश में लगभग 8.54 लाख समितियां पंजीकृत हैं, जिनमें से साढ़े पांच लाख के करीब सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। ये समितियां कृषि, दुग्ध-उत्पादन, बैंकिंग, आवास, श्रम, उपभोक्ता सेवा व स्वयं सहायता समूहों तक अनेक क्षेत्रों में फैली हैं।

देशमें 63,000 से अधिक प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने का कार्य चल रहा है। इससे ये समितियां सिर्फ कृषि ऋण तक सीमित न रहकर बहुउद्देश्यीय सेवा केंद्र के रूप में कार्य कर सकेंगी। किसानों के लिए सहकारिता जीवनरेखा है। देश के 86 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और सीमांत हैं, जिनके लिए व्यक्तिगत रूप से आधुनिक संसाधनों तक पहुंचना लगभग असंभव है। ऐसे में प्राथमिक कृषि साख समितियां उन्हें सस्ती दरों पर ऋण, बीज, खाद, उपकरण और विपणन की सुविधा देती हैं।

डॉ. हरिदत्त नेमी ने संभाला सीएमओ कानपुर का कार्यभार

'नो कमेंट' से दिए मीडिया के सवालों पर जवाब, कई कर्मियों ने पैर छू कर लिया आशीर्वाद

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शासन के आदेश के तहत डॉ. हरिदत्त नेमी ने गुरुवार सुबह 10:05 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कानपुर का पदभार औपचारिक रूप से संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने सभी सवालों पर 'नो कमेंट' कहकर चुप्पी साधे रखी, लेकिन यह स्पष्ट किया कि वे शासन के निर्देशानुसार ही पद पर वापस लौटे हैं।

डॉ. नेमी के कार्यालय पहुंचते ही कुछ कर्मचारियों ने उत्साह में उनके पैर छूकर स्वागत किया। इस दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर चर्चाओं का दौर भी जारी है।

गौरतलब है कि डॉ. हरिदत्त नेमी ने हाई कोर्ट की शरण लेकर फिर से सीएमओ पद पर वापसी की है। हालांकि, इस वापसी के साथ ही उन्हें कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार, विभागीय कार्यप्रणाली, प्रशासनिक संतुलन और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर डॉ. नेमी की अगुवाई में कई बदलाव संभव हैं।

डॉ. नेमी का कार्यभार संभालना जिले के स्वास्थ्य तंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि वे किस प्रकार से विभाग में सुधार और पारदर्शिता लाने के लिए काम करते हैं।

आधार केंद्रों की कमी को लेकर सपा नेत्री ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। तहसील क्षेत्र में आधार केंद्रों की कमी और उससे हो रही जन समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी की पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रचना गौतम ने बुधवार को एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि हर ग्राम पंचायत या न्याय पंचायत स्तर पर आधार नामांकन और संसोधन केंद्र खोले जाएं।

सपा नेत्री ने कहा कि सीमित आधार केंद्रों पर अत्यधिक भीड़ के कारण लोगों को समय पर सेवा नहीं मिल पा रही है। दलालों द्वारा पैसे की वसूली और केंद्र संचालकों के गलत

व्यवहार से ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। छात्रों को स्कूल में दाखिले और आम लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी आधार न होने से नहीं मिल पा रहा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान एडवोकेट कैलाश यादव, आशीष कटियार, विवेक कटियार, बब्लू खान, पंकज यादव, ऋषभ यादव समेत कई समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार्वजनिक सूचना

! सावधान !

जी0एस0कॉलेज ऑफ लॉ खजुरहट (गंडई) बीकापुर में ट्रस्ट एवं प्रबंध समिति का विवाद चल रहा है। जिसके सम्बन्ध में राजेन्द्र यादव (राजन) अनुज गोयल, संजीव कुमार गुप्ता, राजकुमार यादव, सूर्यभान आदि के विरूद्ध धोखाधड़ी का मु0थाना को0 बीकापुर में एफआईआर 318/24 पंजीकृत है। विवेचना प्रचलित है। इसी प्रकरण में मा0 उच्च न्यायालय लखनऊ में सिविलवाद Writ C3120/24 विचाराधीन है। इसी मामले में मा0 जनपद एवं सत्र न्यायालय कड़कड़डूमा कोर्ड दिल्ली में सिविलवाद छ्र 624 /24 विचाराधीन है। विवाद की वजह से कालेज का संचालन नियमानुसार नहीं हो रहा है। प्राचार्य व शिक्षक सिर्फ कागजों में रह गए हैं। ध्र्ष्द्व के मानक का पालन भी नही हो रहा है। इसलिए एडमिशन हेतु सावधान रहें।

एडवोकेट ए. के. तिवारी
सचिव/प्रबन्धक - जी0एस0 कॉलेज ऑफ लॉ,
खजुरहट (गंडई) बीकापुर, अयोध्या
मो0:- 9968161898

थाने के मंदिर में रचाई शादी, बोले सात जन्मों तक निभाएंगे साथ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रेम का ऐसा जज्बा बुधवार को तब देखने को मिला जब कानपुर देहात के मंगलपुर थाना परिसर स्थित मंदिर में एक प्रेमी युगल ने सात जन्मों का साथ निभाने की कसम खाकर विवाह रचा लिया। गांव बहेरा निवासी 20 वर्षीय आकांक्षा और ललपुरवा के 23 वर्षीय विकास पिछले 5 वर्षों से प्रेम संबंध में थे।

» **परिजनों के विरोध के बीच प्रेमी युगल ने खुद लिया साथ जीने-मरने का फैसल**

» **पुलिस बोली दोनों बालिक, मर्जी से की शादी; कोई कानूनी बाधा नहीं**

पहली मुलाकात पढ़ाई के दौरान हुई, और रिश्ता धीरे-धीरे गहराता चला गया। जब घरवालों से शादी की बात हुई तो लड़की के परिजनों ने विरोध जताया, जबकि लड़के का परिवार सहमत था। दोनों पक्ष थाने पहुंचे, जहां

परिजनों की मौजूदगी में प्रेमी युगल ने मंदिर में एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर शादी कर ली। इस दौरान थाने पर मौजूद लोगों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद भी दिया।

प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों बालिक हैं और अपनी मर्जी से साथ रहने का फैसला किया है। थाने में किसी प्रकार की लिखित कार्यवाही नहीं की गई।

प्रेमी विकास ने मीडिया से कहा, मैंने अपनी इच्छा से मंदिर में शादी की है और हम एक-दूसरे को पूरी तरह अपनाते हैं।

बबूल बना बाधा: गजनेर-नबीपुर मार्ग हादसों का गढ़

सचिन सिंह / स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवन खेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के गजनेर-नबीपुर मार्ग पर सड़क के दोनों ओर फैले बबूल के झाड़ियों और टहनियों ने आवागमन को जानलेवा बना दिया है। विलायती बबूल के पेड़ सड़क में इस कदर घुस आए हैं कि हर घुमाव पर सामने से आ रहे वाहन की भनक तक नहीं लगती, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं कौसम से लेकर मोहाना गांव के बीच में होती हैं।

» **हर मोड़ पर मौत का साया, सूचनाओं के बावजूद पीडब्ल्यूडी बेखबर**

» **सीएम पोर्टल की शिकायतें भी असरहीन, अधिकारियों की नींद नहीं टूटी**

स्थानीय लोगों ने बताया कि इन टहनियों की वजह से सड़क कई जगहों पर एक मीटर तक सिकुड़ गई है। ग्रामीणों द्वारा बार-बार सीएम पोर्टल और आईजीआरएस पर शिकायतें करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी केवल कागज़ी कार्रवाई कर मामले को निस्तारित दिखा देते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं है। यह मार्ग कोर्ट, ब्लॉक और जिला मुख्यालय के लिए बेहद अहम है, जहां से अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की भी आवाजाही होती है। इसके बावजूद लोक निर्माण विभाग आंख मूंदे बैठा है। लोग सवाल कर रहे हैं कि जब इतना महत्वपूर्ण मार्ग उपेक्षित हो सकता है, तो बाकी का हाल क्या होगा?

पीडब्ल्यूडी का जवाब- जल्द हटेंगे पेड़

इस मामले में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता साहिबे आलम ने स्वराज इंडिया से बातचीत में कहा कि गजनेर-नबीपुर मार्ग पर बबूल के पेड़ अब सड़कों में घुस आए हैं, जिन्हें जल्द ही हटवाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

तालाब पर कब्जे को लेकर गरजा प्रशासन, चला बुलडोजर

» भजनपुर गांव में ग्राम समाज की जमीन से हटाया गया अतिक्रमण

» सीएम पोर्टल पर शिकायत के बाद एसडीएम के निर्देश पर हुई कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक अंतर्गत मोहम्मदपुर के मजरें भजनपुर गांव में बुधवार को प्रशासन ने तालाब किनारे किए जा रहे अवैध निर्माण पर सख्त रुख अपनाते हुए बुलडोजर चलवाया। यह कार्रवाई एसडीएम मोगनीपुर देवेंद्र सिंह के निर्देश पर राजस्व टीम द्वारा की गई।

ग्रामीणों के अनुसार, यह तालाब पूरे गांव के वर्षा जल की निकासी का मुख्य स्रोत है। इसके आसपास स्थित ग्राम समाज की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा कर निर्माण किया जा रहा था, जिससे जलनिकासी बाधित हो रही थी।ग्रामीण गोरे फौजी समेत कई लोगों ने इस अवैध कब्जे की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल और जिलाधिकारी आलोक सिंह से की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसील प्रशासन ने लेखपाल नवनीत सचान की अगुवाई में जेसीबी मशीन के जरिए अतिक्रमण हटवाया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि ग्राम समाज की जमीन पर दोबारा कब्जा करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर प्रेमी युगल के शव मिलने से सनसनी

» भाऊपुर स्टेशन के पास डाउन ट्रैक पर मिले युवक-युवती के क्षत-विक्षत शव

» आत्महत्या या ट्रेन से गिरने की आशंका, शव भेजे गए पोस्टमार्टम को

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर-दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब भाऊपुर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक किनारे युवक और युवती के शव पड़े मिले।

घटना की जानकारी होते ही स्टेशन मास्टर ने पुलिस को सूचित किया। शिवली थाना क्षेत्र के मैथा स्टेशन के डाउन ट्रैक पर खंभा नंबर 1050/26.24 के पास यह शव बरामद हुए।

सूचना मिलते ही मैथा चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

मृतकों की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, मामला प्रेम प्रसंग में आत्महत्या का हो सकता है, हालांकि कुछ लोगों ने ट्रेन से गिरने की भी आशंका जताई है।पुलिस के अनुसार, दोनों शव विक्षिप्त अवस्था में मिले हैं। युवक ने नीली शर्ट व ग्रे पैंट, जबकि युवती ने फिरोजी कुर्ती, खाकी लेगिंग और ग्रे दुपट्टा पहन रखा था। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भिजवा दिया गया है। फिलहाल शिनाख्त नहीं हो सकी है, पुलिस द्वारा पहचान के प्रयास और मामले की जांच की जा रही है।

माँ ने बेटे पर लगाया गंभीर उत्पीड़न का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

» बरौर थाना क्षेत्र का मामला आरोपी बेटा हुआ मौके से फरार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र से बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपने ही पुत्र के खिलाफ गंभीर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़िता के अनुसार, मंगलवार रात लगभग 10 बजे जब वह घर के बाहर लेटी हुई थी, तभी उसका पुत्र नशे की हालत में आया और कथित रूप से अनुचित हरकत की। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी राजीव सिरोही, थानाध्यक्ष अमिता वर्मा सहित फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।पुलिस ने महिला को मेडिकल परीक्षण हेतु भेज दिया है और आरोपी की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। थानाध्यक्ष अमिता वर्मा ने बताया कि महिला की शिकायत पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

12 घंटे में खुलासा: महिला से छिनैती करने वाला बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक सिपाही घायल, बदमाश के पैर में लगी गोली

» लूट का माल, असलहा और चोरी की बाइक के साथ 15 मुकदमों वाला अपराधी दबोचा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र में आरएसपीएल फैक्ट्री के पास सर्विस रोड पर महिला से लूट की घटना के महज 12 घंटे के भीतर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान एक शातिर अपराधी को दबोच लिया। 16 जुलाई की रात ऋषभ द्विवेदी की पत्नी से हैंडबैग, मोबाइल और नकदी लूटने वाले दो बदमाशों में से एक सूरज कंजड़ पुत्र सब्बू निवासी पिलखिनी को पुलिस ने पिलखिनी बंबा रोड पर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में सूरज के पैर में गोली लगी, जबकि एक आरक्षी भानु प्रताप सिंह के हाथ में गोली लगी है। मौके से चोरी की बाइक, लूटा गया मोबाइल, पर्स, पासबुक और तमंचा बरामद हुआ है।

घायल सिपाही से मिलने अस्पताल पहुंचे अधिकारी

सूरज ने पूछताछ में बताया कि उसके साथी बिलौआ के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। भागने के फिराक में पुलिस से मुठभेड़ हुई। गिरफ्तार सूरज पर हत्या, लूट, चोरी, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत 15 संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने मौके से 1000 नकद, महिला का पर्स, पासबुक, मोबाइल फोन और 315 बोर का तमंचा बरामद किया है। फरार साथी की तलाश जारी है।

अपराध की कुंडली- सूरज के खिलाफ
15 संगीन मामले दर्ज

भोगनीपुर, अकबरपुर, रूरा और सिकंदरा थानों में सूरज पर लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2017 से लेकर 2025 तक लगातार सूरज अपराधों में संलिप्त रहा है। पुलिस ने बताया कि हाल ही में थाना रूरा में गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित भी था। इस बार सूरज ने अपने साथी के साथ मिलकर तीन दिन पहले एक बाइक भी चोरी की थी, जिसका इस्तेमाल लूट की वारदात में किया गया। एसपी ने अस्पताल पहुंचकर घायल सिपाही का हाल जाना और मुठभेड़ की जानकारी ली। फरार बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

पेप्सिको ने 48 स्थायी कर्मचारियों को बिना नोटिस निकाला, राज्य मंत्री से लगाई गुहार

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। जैनपुर स्थित वरुण बेवरेज लिमिटेड (पेप्सिको) में उस वक्त हड़कंप मच गया जब प्रबंधन ने अचानक 3 जुलाई को 48 स्थायी कर्मचारियों को बिना किसी नोटिस या चेतावनी के नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

इस मनमानी फैसले से आहत कर्मचारी लगातार कई दिनों से फैक्ट्री गेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन कंपनी प्रबंधन ने अब तक वार्ता तक के लिए पहल नहीं

की है। कर्मचारियों का आरोप है कि प्रबंधन प्रशासन को गुमराह कर यह दावा कर रहा है कि कुछ लोगों की छंटनी की गई है, जबकि हकीकत में प्लांट को ही बंद कर दिया गया है और पूरी यूनिट को बेरोजगारी की ओर धकेल दिया गया है।

इस अन्याय के खिलाफ बुधवार को कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल माती स्थित इको पार्क सामुदायिक भवन पहुंचा, जहां उन्होंने राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला को ज्ञापन सौंपा और पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। उन्होंने मंत्री को बताया कि बिना किसी नोटिस के स्थायी कर्मचारियों की बर्खास्तगी न सिर्फ श्रमिक कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि इससे उनके परिवार भूखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं।

कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी प्रबंधन सरकार की सब्सिडी योजनाओं का फायदा उठाकर नए प्लांट खोल रहा है और पुराने स्थलों से कर्मचारियों को हटाया जा रहा है।

राज्य मंत्री ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वह इस प्रकरण में जल्द से जल्द कंपनी प्रबंधन से बात करेंगी और मजदूरों को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस प्रयास करेंगी। पेप्सिको कर्मचारी संघ के सुरेंद्र रावत, मानसिंह, राजन तिवारी, विनय सिंह, चंदन दत्ता, वीरेंद्र यादव, मनोज सोनकर, पवन मिश्रा, चंदन चौहान, रामनारायण केशरी और रावेंद्र सिंह समेत कई कर्मचारी इस दौरान मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में चेताया कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

ट्रस्ट विवाद में धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े का आरोप

अयोध्या में लॉ कॉलेज और डिग्री कॉलेज की ट्रस्ट प्रॉपर्टी को लेकर चल रही जंग

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। जीएस एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के आंतरिक विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। ट्रस्ट के संस्थापक सचिव अनुरुद्ध कुमार तिवारी ने मंडलायुक्त अयोध्या को पत्र देकर ट्रस्ट व उससे जुड़े कॉलेजों को लेकर हो रहे कथित फर्जीवाड़े की शिकायत की है।

बता दें कि अनुरुद्ध तिवारी का आरोप है कि ट्रस्ट अध्यक्ष संजीव कुमार गुप्ता ने वर्ष 2022 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उन्हें और अन्य 8 ट्रस्टियों को ट्रस्ट से हटा दिया। इसको लेकर उन्होंने जीएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज की अस्थायी मान्यता भी विश्वविद्यालय को लौटाते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया। मामले में बीकापुर

कोतवाली में संजीव गुप्ता समेत 5 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश की धाराओं में केस दर्ज है।वहीं, आरोपी पक्ष की ओर से भी पलटवार करते हुए अनुज गोयल और राजेन्द्र यादव ने तिवारी व उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाते हुए कोर्ट और थाने में वाद दाखिल कर दिया है। अनुरुद्ध तिवारी का कहना है कि एफआईआर दर्ज होते ही विपक्षीगण बार-बार झूठे मुकदमे में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि विवेचना प्रभावित हो सके। उन्होंने मंडलायुक्त से मामले की जांच कराकर सच्चाई सामने लाने और आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

तालाब में मासूम की लाश, खेल या साजिश?

» शहनवां गांव में 8 साल के बज्मी की रहस्यमयी मौत से सनसनी

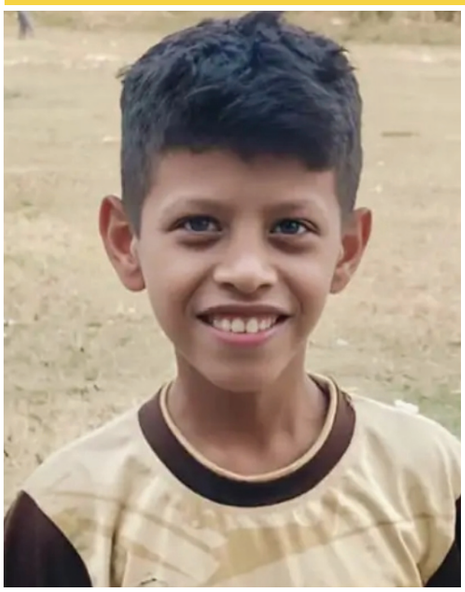

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। दर्शन नगर पुलिस चौकी क्षेत्र के शहनवां गांव में सोमवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया। गांव के 8 वर्षीय मासूम बज्मी का शव गांव के ही एक तालाब में मिला। बज्मी, जीशान हैदर का बेटा था। वह घर से खेलने के लिए निकला था लेकिन फिर कभी लौटकर नहीं आया। देर शाम उसका शव पानी में उतराता मिला। परिजनों ने रोते हुए बताया कि बज्मी उस तालाब की ओर कभी नहीं जाता था। वो घर के आसपास ही खेलता था। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर बज्मी तालाब तक गया कैसे? क्या वह सचमुच खेलते-खेलते गिर गया, या फिर किसी ने उसे वहां तक ले जाकर धक्का दे दिया?

दर्शन नगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि, 'अभी कुछ भी कहना जल्दबाज़ी होगी। हादसा भी हो सकता है और साजिश भी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतज़ार है, उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बज्मी की मौत की खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। मातम का माहौल है और लोगों में डर लगता भी है। कई ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और अगर कोई दोषी है तो उसे जल्द से जल्द सज़ा दी जाए।

अयोध्या के अस्पतालों में तैनात किए गए 77 रिटायर्ड सैनिक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जिले के सरकारी अस्पतालों में अब मरीजों और तीमारदारों की सुरक्षा का जिम्मा सेवानिवृत्त सैनिकों को सौंपा गया है। उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण बोर्ड, गोरखपुर के अयोध्या प्रभारी सूबेदार राजेंद्र भारती ने बताया कि वर्तमान में 77 रिटायर्ड सैनिकों की नियुक्ति हो चुकी है, जबकि शेष सुरक्षाकर्मियों की तैनाती आगामी 10 दिनों में कर दी जाएगी।

यह व्यवस्था जिला चिकित्सालय, महिला अस्पताल, श्रीराम राजकीय चिकित्सालय के साथ-साथ सीएचसी सोहावल, पूरा बाजार और रुदौली में लागू की गई है। इनमें जिला अस्पताल में 21, महिला अस्पताल में 7 और श्रीराम चिकित्सालय में 5 रिटायर्ड सैनिकों की नियुक्ति की गई है। ये सभी सैनिक सुरक्षा कर्मी संबंधित चिकित्सालयों के चिकित्सा अधिकारियों की निगरानी में अपनी सेवाएं देंगे।

सूबेदार भारती ने बताया कि उनकी संस्था पूर्व में एलआईसी और अन्य सरकारी संस्थानों में भी सुरक्षा सेवाएं दे चुकी है। अब स्वास्थ्य विभाग के अनुरोध पर अस्पतालों में यह नई व्यवस्था लागू की गई है ताकि मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

बच्चों को कराएं रामलला के दर्शन

अगर आपको बच्चों के साथ यात्रा करने में परेशानी महसूस होती है, तो आप टूर पैकेज से घूमने जा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको भारतीय रेलवे द्वारा शुरू किए गए एक टूर पैकेज के बारे में बताने जा रहे हैं। इस टूर पैकेज में आपको कम बजट में घूमने का मौका मिलेगा।गर्मियों की छुट्टियों में अक्सर लोग अपनी फैमिल के साथ घूमने जाते हैं। ऐसे में इस बार आप गर्मियों में अयोध्या श्रीराम के दर्शन के लिए जा सकते हैं। यह न सिर्फ धार्मिक यात्रा ही नहीं बल्कि बच्चों के लिए संस्कार और ज्ञान के लिहाज से भी अच्छी है। अगर आप बचपन से ही बच्चों के साथ मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं, तो बच्चे भी धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों से जुड़े रहेंगे। मंदिर जाने से मन शांत होता है और उनमें अच्छे संस्कार भी आते हैं।

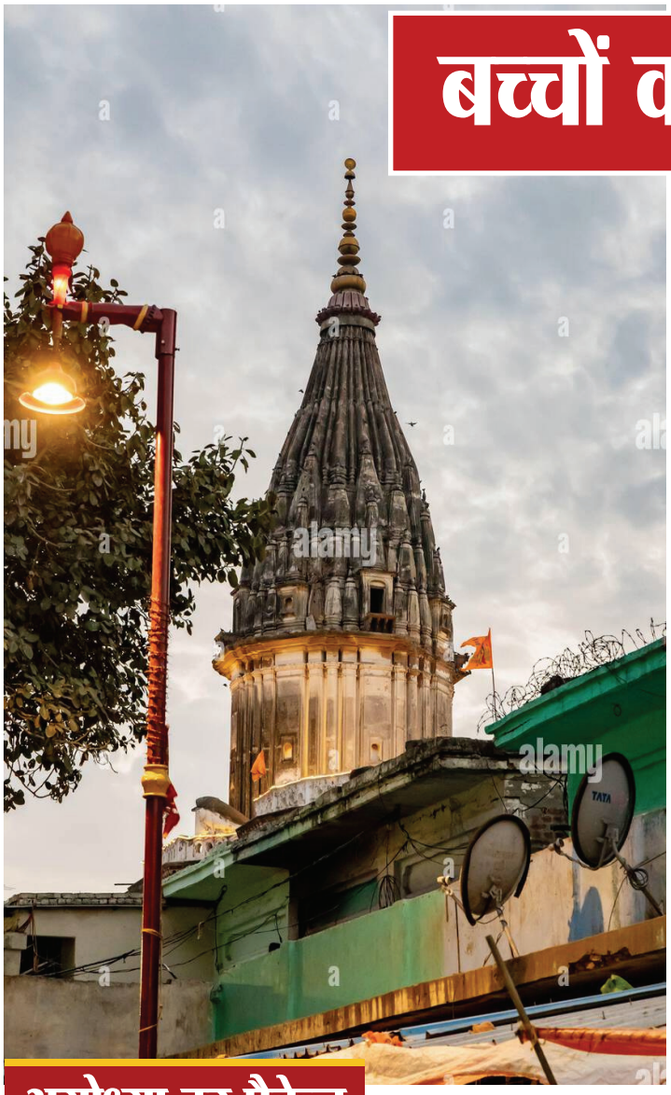

हालांकि अगर आपको बच्चों के साथ यात्रा करने में परेशानी महसूस होती है, तो आप टूर पैकेज से घूमने जा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारतीय रेलवे द्वारा शुरू किए गए एक टूर पैकेज के बारे में बताने जा रहे हैं। इस टूर पैकेज में आपको कम बजट में घूमने का मौका मिलेगा।

अयोध्या टूर पैकेज

इस टूर पैकेज में आपको लखनऊ और अयोध्या घुमाया जाएगा।

हर शुक्रवार को यात्रा के लिए पैकेज बुक कर पाएंगे।

इस टूर पैकेज की शुरूआत चंडीगढ़ से हो रही है।

यह टूर पैकेज 3 रात और 4 दिन का है।

इस दौरान ट्रेन से यात्रा करने का मौका मिलेगा।

चंडीगढ़ से ट्रेन रात 9 बजे

पैकेज फीस–इस ट्रिप में एसी और स्लीपर कोच के लिए अलग-अलग पैकेज है।स्लीपर कोच में प्रति व्यक्ति का किराया 15,305 रुपए है।थर्ड एसी कोच में सफर करने पर प्रति व्यक्ति 17,895 रुपए देने होंगे।वहीं 2 लोगों के साथ यात्रा करने से पर स्लीपर कोच में प्रति व्यक्ति को 8,645 रुपए देने होंगे।

एसी कोच में 2 लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति को 11,235 रुपए किराया देना होगा।बच्चों के लिए स्लीपर कोच का किराया 4945 रुपये और एसी कोच में 7535 रुपये है

आप भारतीय रेल की ऑफिशियल वेबसाइट से टिकट बुक कर सकती हैं।

सुविधाएं–इस पैकेज में आने-जाने का खर्च शामिल है।

इस पैकेज फीस में होटल में रहने का खर्च भी शामिल है।आपको घूमने के लिए बस की सुविधा मिलेगा।

होटल में नाश्ता और रात का खाना भी शामिल है।

क्या भारत में टिक पाएगी मस्क की टेस्ला ईवी?

टेस्ला की हो चुकी भारत में एंट्री

भारत बड़ा बाजार है लेकिन छोटा खरीदार, पहले मॉडल "वाई" की कीमत छह गुना से ज्यादा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंबई। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की चमचमाती सड़कों पर सोमवार सुबह कुछ अलग ही रौनक थी। शीशे के आलीशान शोरूम में टेस्ला की मॉडल Y की पहली झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ी थी। एलन मस्क की बहुचर्चित इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने भारत में अपने सफर की शुरुआत कर दी है। लेकिन इस हाई-प्रोफाइल लॉन्च के बीच एक बड़ा सवाल तैर रहा है कि क्या भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में टेस्ला टिक पाएगी?

टेस्ला की पहली पेशकशमॉडल Y की कीमत 60 लाख से 70 लाख रुपए के बीच रखी गई है। यह कीमत भारत में बिकने वाली औसत कारों की कीमत से छह गुना ज्यादा है। भारत में जहां कार खरीदना केवल यात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि एक स्टेटस सिंबल है, वहीं ग्राहक "वैल्यू फॉर मनी" को प्राथमिकता देता है। ऐसे में टेस्ला जैसी प्रीमियम ब्रांड के लिए अपने लिए जगह बनाना आसान नहीं होगा। 50 लाख से ऊपर की कारों का भारतीय बाजार अभी भी बेहद सीमित है। 2024 में इस सेगमेंट की कुल हिस्सेदारी मात्र 1 से 1.5 फीसदी रही। मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी और पोर्शे जैसी कंपनियां पहले से यहां मौजूद हैं, और टेस्ला को इन्हीं के बीच अपनी जगह बनानी होगी। भारतीय ग्राहकों के भरोसेमंद विकल्पों में टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसी कंपनियां पहले ही 20-30 लाख रेंज में शानदार इलेक्ट्रिक गाड़ियां पेश कर चुकी हैं।

नीतिगत और कर संबंधी चुनौतियां : फिलहाल भारत में बेची जा रही टेस्ला गाड़ियां चीन से आयातित हैं। भारत की मौजूदा नीति के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहनों पर 70 फीसदी से अधिक इंपोर्ट ड्यूटी लगती है, जिससे कीमतें लगभग दोगुनी हो जाती हैं। सरकार ने हालांकि नई ईवी नीति के तहत 4,150 करोड़ के निवेश पर टैक्स छूट देने का प्रस्ताव दिया है। लेकिन एलन मस्क की ओर से अब तक भारत में मैन्युफैक्चरिंग को लेकर कोई ठोस घोषणा नहीं की गई है। टेस्ला का नाम ग्लोबल इनोवेशन का प्रतीक है। लेकिन भारत जैसे देश में केवल नाम से गाड़ियां नहीं बिकतीं। उदाहरण के तौर पर, एप्पल जैसी कंपनी की भारत में बाजार हिस्सेदारी आज भी 10 फीसदी से नीचे है, जबकि अमेरिका में यह 40 फीसदी के करीब है। यानी ब्रांड की चाह है, लेकिन जेब की मजबूरी भी।

"खिलाड़ियों" की चुनौती

टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियां पहले ही भारतीय बाजार में गहराई से जमी हुई हैं और तेजी से ईवी पोर्टफोलियो बढ़ा रही हैं। एक प्रमुख भारतीय ऑटो मोबाइल ग्रुप के अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर एलन मस्क को चुटकी लेते हुए चुनौती दी "चार्जिंग स्टेशन पर मिलते हैं!" यह संदेश साफहै– टेस्ला को हल्के में मत लो।

चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की बाधा

टेस्ला ने भले ही दिल्ली और मुंबई में सुपरचार्जिंग स्टेशन लगाने की बात की हो, लेकिन देशभर में नेटवर्क खड़ा करना लंबा और खर्चीला काम होगा। जब तक यह बुनियादी ढांचा नहीं बनता, टेस्ला की पहुंच कुछ चुनिंदा शहरी इलाकों तक ही सीमित रहेगी।

भविष्य की राह

अगर टेस्ला भविष्य में 40 से 45 लाख की रेंज में कोई मॉडल पेश करती है, तो वह उन ग्राहकों को लुभा सकती है, जो ब्रांड वैल्यू के लिए कुछ अतिरिक्त खर्च करने को तैयार हैं। लेकिन उसे यह समझना होगा कि भारतीय ग्राहक केवल नाम नहीं, भरोसा और सेवा भी चाहता है।

क्या दोहराएगा इतिहास खुद को?

हर्ले डेविडसन, शेव्रले और फोर्ड जैसी कंपनियों की एंट्री भी कभी सुर्खियां बनी थीं, लेकिन बाजार को समझने में चूक के कारण उन्हें भारत से विदा लेनी पड़ी। टेस्ला को इससे सीखना होगा। भारत में ईवी का भविष्य उज्ज्वल जरूर है, लेकिन अभी शुरुआती चरण में है।

शाम लगभग 4 बजे पहुंचेंगे सीएम योगी

सीएम योगी का आज दो दिवसीय दौरा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। विकास कार्यों की करेंगे समीक्षा बैठक,श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में करेंगे दशज्ञ,सावन में श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाएं,सुविधाओं का सीएम करेंगे स्थलीय निरीक्षण,नशा मुक्ति समिट की तैयारियों की करेंगे समीक्षा,18 जुलाई से वाराणसी में शुरू होने वाला समिट,छितौना कांड को लेकर सीएम कर सकते हैं बैठक,दूसरे दिन दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन,बिरसा मुंडा पर आधारित संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे।

अमरनाथ यात्रा स्थगित

बालटाल और पहलगाम दोनों रास्ते बंद

जम्मू। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में पिछले 36 घंटों से हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार को अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी गांदरबल जिले में यात्रा के बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत और तीन अन्य के घायल होने के एक दिन बाद आई है। पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण दोनों मार्गों पर पटरियों पर मरम्मत कार्य करना जरूरी हो गया है।

शर्मनाक रामपुर में रेप पीड़िता से दरोगा ने की घिनौनी मांग, सिपाही समेत दोनों निलंबित

शारीरिक संबंध बनाओ, तभी लिखूंगा रिपोर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले से पुलिस विभाग की मर्यादा को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। एक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन बदले में उसे दरोगा की शारीरिक संबंध की शर्मनाक शर्त का सामना करना पड़ा। दरोगा ने पीड़िता से कहा – "रिलेशन बनाओ, तभी शिकायत लिखूंगा।"

इस घिनौने खुलासे के बाद रामपुर पुलिस हरकत में आई है और आरोपी दरोगा उदयवीर सिंह और उसके सहयोगी

सिपाही सरफराज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पीड़िता बताती है कि जब वह रेप की शिकायत दर्ज कराने रामपुर और फिर मिलक थाने गई, तो उसे थाने में बैठाकर दरोगा ने उसका मोबाइल नंबर मांगा। बाद में दरोगा ने रात में मैसेज और वीडियो कॉल करके शारीरिक संबंध बनाने की मांग की और कहा कि "तभी एफआईआर लिखी जाएगी।" पीड़िता ने सुबह अपनी मां को सारी बात बताई, जिन्होंने अफसरों से संपर्क किया।

सबूत मिटाने का भी किया गया प्रयास : पीड़िता का यह भी आरोप है कि जब दरोगा को विरोध की भनक लगी, तो उसने सिपाही सरफराज को पीड़िता के घर भेजा। सरफराज ने लड़की का फोन जबरन चेक करके दरोगा से की गई चैट और कॉल डिलीट कर दी। यह पूरी कोशिश केस को दबाने और सबूत मिटाने के उद्देश्य से की गई।

पुलिस प्रशासन ने की सख्त कार्रवाई : पुलिस अधीक्षक रामपुर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए। क्षेत्राधिकारी मिलक द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए गए, जिसके बाद दरोगा और सिपाही को निलंबित कर दिया गया। प्रशासन ने कहा है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। ये मामला नहीं सिर्फ सिस्टम का धब्बा है, बल्कि इंसाफ की उम्मीद लगाए हर पीड़िता के मुंह पर तमाचा है।

बड़ा सवाल यह है

- क्या आरोपी दरोगा पर सिर्फ निलंबन से काम चल जाएगा या उसके खिलाफरेप पीड़िता से यौन शोषण का प्रयास, सबूत नष्ट करना, और कानून की अवहेलना जैसे गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होगा?
- जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो इंसाफ की लड़ाई और भी कठिन हो जाती है।
- अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या वर्दी के गुनहगारों को भी जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा?